



### **SMT. JODHAIYA BAI BAIGA**

Smt. Jodhaiya Bai Baiga, belonging to Baiga Tribe is a renowned artist of Baiga painting.

2. Born on 1<sup>st</sup> January, 1949 in a small village Lorha in Umaria district of Madhya Pradesh, Smt. Baiga lived most of her life in utter poverty and spent many years doing hard manual labour, odd jobs, selling firewood and brewing a local alcohol out of Mahua for a living. However, her life got a big change in 2008 when Ashish Swami, an artist and alumnus of Kala Bhavan, Shanti Niketan, Kolkata came to her village Lorha and set up his art studio 'Jan Gan Tasveerkhana' there. He gave Smt. Baiga some manual work there and simultaneously introduced her to painting with brush and colours. The Baiga Tribes mainly worship Shiva, Naag and Tiger as their deities. Smt. Baiga started painting here. She expressed fabulous sense of imagination. She portrays Lord Shiva in a very prominent way. Almost all her paintings have symbol of Lord Shiva. The geometric figures, she draws are childlike, colourful, and dressed in dramatic costumes. Depicting the folk tales associated with tiger as a god, she has disseminated the importance of protecting environment and wildlife.

3. Smt. Baiga has brought recognition and identity to the traditional relief work, culture and philosophy of Baiga Tribe. The illiterate woman who has never seen the face of school drew the attention of the new generation and art masters towards her art. Attracting thousands of indigenous as well as foreign visitors to Baiga painting and culture, she has turned the village into an Art Tourism Spot. She has also been teaching more and more Baiga women artists about how to do the paintings and making them self dependent.

4. Smt. Baiga has been honoured with many awards such as Nari Shakti Puraskar by the Hon'ble President of India in March, 2022. She was honoured by Chief Minister of Madhya Pradesh for Baigha International Art at Vindhya Maikal Utsav, Umeriya 2016. She participated in National Tribal Art Camp 2020 at Bandhavgarh, Madhya Pradesh organized by Lalit kala Academy, New Delhi.



## श्रीमती जोधाईया बाई बैगा

श्रीमती जोधाईया बाई बैगा, बैगा जनजाति से हैं और वह बैगा चित्रकारी की प्रसिद्ध कलाकार हैं।

2. 1 जनवरी, 1949 को मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के एक छोटे से गांव लोरहा में जन्मी, श्रीमती बैगा ने अपना अधिकांश जीवन बेहद गरीबी में बिताया और जीवनयापन के लिए, कई वर्ष छोटे-मोटे काम, ईंधन वाली लकड़ी बेचने इत्यादि के लिए कठोर मेहनत की। परंतु, 2008 में उनके जीवन में उस समय एक बड़ा बदलाव आया, जब कला भवन, शांति निकेतन, कोलकाता के पूर्व छात्रआशीष स्वामी उनके गांव लोहरा आए और वहां अपना कला स्टूडियो 'जनगण तसवीरखाना' स्थापित किया। उन्होंने श्रीमती बैगा को वहां हाथ का काम दिया और साथ ही उन्हें ब्रुश और रंगों से चित्र बनाने के लिए प्रेरित किया। बैगा जनजाति अपने देवताओं के रूप में मुख्य रूप से शिव, नाग और बाघ को पूजती है। श्रीमती बैगा ने चित्र बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने शानदार कल्पना शक्ति का परिचय दिया। वह भगवान शिव को विशेष तरीके से चित्रित करती हैं। उनके लगभग सभी चित्रों में भगवान शिव प्रतीक रूप में हैं। वह जो ज्यामितीय आकृतियां गढ़ती हैं, वे बालसुलभ, रंग-बिरंगी और सुंदर वेशभूषायुक्त हैं। देवता के रूप में बाघ से जुड़ी लोक कथाओं को चित्रित करते हुए, उन्होंने पर्यावरण और वन्यजीवों की रक्षा का महत्व दर्शाया है।
3. श्रीमती बैगा ने बैगा जनजाति के पारंपरिक राहत कार्यों, संस्कृति और दर्शन को मान्यता और पहचान दिलाई है। एक निरक्षर महिला जिसने कभी स्कूल का चेहरा तक नहीं देखा, उसने नई पीढ़ी और कला गुरुओं का ध्यान अपनी कला की ओर आकर्षित किया। बैगा चित्रकारी और संस्कृति के प्रति हजारों देशी और विदेशी आगंतुकों का ध्यान खींचते हुए, उन्होंने गांव को एक कला पर्यटन स्थल में बदल दिया है। वह अधिक से अधिक बैगा महिला कलाकारों को चित्रकारी सिखा रही हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं।
4. श्रीमती बैगा को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें मार्च, 2022 में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार शामिल है। उन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा विंध्य मैकल उत्सव, उमरिया 2016 में बैगा अंतरराष्ट्रीय कला के लिए सम्मानित किया गया था। उन्होंने ललित कला अकादमी, नई दिल्ली द्वारा बांधवगढ़, मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय कला शिविर 2020 में भाग लिया।